कक्षा–11
विषय–राजनीतिक विज्ञान
पाठ्यक्रम

मास	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल	राजनीतिक सिद्धान्त	1. राजनीतिक सिद्धान्तः– एक परिचय 2 स्वतंत्रता	14	8
मई	राजनीतिक सिद्धान्त	3 समानता 4. सामाजिक न्याय 5 अधिकार	16	10
ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 जून से 30 जून तक				
जुलाई	राजनीतिक सिद्धान्त	8. धर्मनिरपेक्षता 6. नागरिकता 7. राष्ट्रवाद	16	8
अगस्त	राजनीतिक सिद्धान्त	9. शांति 10. विकास	14	8
सितम्बर	राजनीतिक सिद्धान्त	पूर्ण विषय वस्तु की दोहराई		
अक्तूबर	भारत का संविधान सिद्धान्त और व्यवहार	1. संविधान–क्यों और कैसे 2. भारतीय संविधान में अधिकार	14	7
नवम्बर	भारत का संविधान सिद्धान्त और व्यवहार	5. विधायिका 4. कार्यपालिका 6. न्यायपालिका	14	6
दिसम्बर	भारत का संविधान सिद्धान्त और व्यवहार	3. चुनाव और प्रतिनिधित्व 7. संघवाद 8. स्थानीय शासन	12	6
जनवरी	भारत का संविधान सिद्धान्त और व्यवहार	9. संविधान–एक जीवत दस्तावेज 10. संविधान का राजनीतिक दर्शन	8	4
फरवरी		पूर्ण विषयवस्तु की दोहराई		
मार्च		परीक्षा		

विस्तृत पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. राजनीतिक सिद्धांत :–
    1. राजनीतिक सिद्धांत – एक परिचय :
        1. राजनीति क्या है?
        2. राजनीतिक सिद्धांत में हम क्या पढतें है?
        3. राजनीतिक सिद्धांत का व्यवहार में उतारना
        4. हमें राजनीतिक क्यों पढना चाहिए?
    2. स्वतन्त्रता :
        1. स्वतन्त्रता का आदर्श
        2. स्वतन्त्रता क्या है?
        3. हमें प्रतिबंधों की आवश्यकता क्यों है?
        4. 'हानि सिद्धांत'
        5. सकारात्मक एवं नकारात्मक स्वतन्त्रता
        6. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता
    3. समानता :
        1. समानता महत्वपूर्ण क्यों है?
        2. समानता क्या है?
        3. समानता के तीन आयाम – राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक समानता
        4. हम समानता को बढावा कैसे दे सकते है?
    4. सामाजिक न्याय :
        1. न्याय क्या है?
        2. न्याय पूर्ण बंटवारा
        3. रॉल्स का न्याय सिद्धांत
        4. सामाजिक न्याय का अनुसरण
    5. अधिकार :
        1. अधिकार क्या है?
        2. अधिकार कहॉ से आते है?
        3. कानूनी अधिकार ओर राज्य सता
        4. अधिकारों के प्रकार
        5. अधिकार और जिम्मेदारियॉ
        6. मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा की प्रस्तावना
    6. नागरिकता :
        1. भूमिका
        2. संपूर्ण और समान सदस्यता
        3. समान अधिकार
        4. नागरिक और राष्ट्र

5. सार्वभौमिक नागरिकता
6. विश्व नागरिकता

7. राष्ट्रवाद :
   1. राष्ट्रवाद का परिचय
   2. राष्ट्र और राष्ट्रवाद : साझेविश्वास, इतिहास, भूक्षेत्र, साझे राजनीतिक आदर्श, साझी राजनीतिक पहचान
   3. राष्ट्रीय आत्म–निर्णय
   4. राष्ट्रवाद और बहुलवाद

8. धर्मनिरपेक्षता
   1. धर्मनिरपेक्षता क्या है?
   2. धर्मनिरपेक्ष राज्य
   3. धर्मनिरपेक्षता का यूरोपीय मॉडल
   4. धर्मनिरपेक्षता का भारतीय मॉडल
   5. भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनाएं : धर्म–विरोधी, पश्चिम से आयातित, अल्पसंख्यकवाद, अतिश्य, हस्तक्षेयकारी, वोट बैंक की राजनीति, एक असंभव परियोजना।

9. शांति :
   1. भूमिक
   2. शांति का अर्थ
   3. क्या हिंसा कभी शांति को प्रात्साहित कर सकती है?
   4. शांति और राज्य सता
   5. शांति कायम करने के विभिन्न तरीके

10. विकास
    1. भूमिका
    2. विकास की चुनौतियाँ
    3. विकास के मॉडल की आलोचनाएं
    4. विकास की वैकल्पिक अवधारणा : अधिकारों के दावे लोकतांत्रिक सहभागिता विकास और जीवनशैली।

1. सविधान – क्यों और कैसे?
   हमें सविधान की क्या आवश्यकता है?
   सविधान तालमेल बढाता है और भरोसा दिलाता है
   निर्णय–निर्माण शक्ति की विशिष्टताएँ
   सरकार की शक्तियों पर सीमाएं
   समाज की आकांक्षाए और लक्ष्य
   राष्ट्र की बुनियादी पहचान
   संविधान की सता
   संविधान को प्रचलन में लाने का तरीका

संविधान के मौलिक प्रावधान
संस्थाओं की संतुलित रूपरेखा
भारतीय संविधान कैसे बना?
संविधान सभा का स्वरूप
संविधान सभा के कामकाज की शैली
कार्यविधि
राष्ट्रीय आंदोलन की विरासत
संस्थागत व्यवस्थाएं

2. भारतीय संविधान में अधिकार :
   - अधिकारों का महत्व
   - अधिकारों का घोषणा पत्र
   - भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार
     - समानता का अधिकार
     - स्वतन्त्रता का अधिकार
     - शोषण के विरूद्ध अधिकार
     - धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार
     - सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार
     - सवैंधानिक उपचारों का अधिकार
   - राज्य के नीति–निर्देशक तत्व
   - नीति–निर्देशक तत्वों और मौलिक अधिकारों में सम्बंध

3. चुनाव और प्रतिनिधित्व :
   - चुनाव और लोकतंत्र
   - भारत में चुनाव व्यवस्था
   - समानुपातिक प्रतिनिधित्व
   - भारत में 'सर्वाधिक वोट से जीत' की प्रणाली क्यों स्वीकार की गई?
   - निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण
   - सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार और चुनाव लडने का अधिकार
   - स्वतंत्र निर्वाचन आयोग
   - चुनाव सुधार

4. कार्यपालिका :
   - कार्यपालिका क्या है?
   - कार्यपालिका कितने प्रकार की होती है?
   - भारत में संसदीय कार्यपालिका
   - राष्ट्रपति की शक्ति और स्थिति
   - राष्ट्रपति के विशेषाधिकार
   - प्रधानमंत्री की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका
   - भारत का उपराष्ट्रपति
   - प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद्

स्थायी कार्यपालिका–नौकरशाही

5. विधायिका :

हमें संसद क्यों चाहिए?
संसद में दोनो सदनों की क्या आवश्यकता है?
राज्य सभा
लोक सभा
संसद क्या करती है?
राज्य सभा की शक्तियां
राज्य सभा की विशेष शक्तियां
लोकसभा की विशेष शक्तियां
संसद कानून कैसे बनाती है?
संसद कार्यपालिका को कैसे नियंत्रित करती है?
संसदीय नियंत्रण के साधन
बहस और वाद–विवाद
कानूनों की स्वीकृति या अस्वीकृति
वितीय नियंत्रण
अविश्वास प्रस्ताव
संसदीय समितियाँ क्या करती है?
संसद स्वयं को कैसे नियंत्रित करती है?

6. न्यायपालिका :

परिचय
हमें स्वतंत्र न्यायपालिका क्यों चाहिए?
न्यायपालिका की स्वतन्त्रता
न्यायाधीशों की नियुक्ति
न्यायाधीशों को पद से हटाना
न्यायपालिका की संरचना
सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार
मौलिक क्षेत्राधिकार
'रिट' संबंधी क्षेत्राधिकार
अपीली क्षेत्राधिकार
सलाह संबंधी क्षेत्राधिकार
न्यायिक सक्रियता
न्यायपालिका और अधिकार
न्यायपालिका और संसद

7. संघवाद :

परिचय
संघवाद क्या है?
भारतीय संविधान में संघवाद

शक्ति विभाजन
सशक्त केन्द्रिय सरकार और संघवाद
भारतीय संघीय व्यवस्था में तनाव
केन्द्र–राज्य संबंध
स्वायतता की मांग
राज्यपाल की भूमिका तथा राष्ट्रपति शासन
नवीन राज्यों की मांग
अंतर्राज्यीय विवाद
विशिष्ट प्रावधान
जम्मू और कश्मीर

8. स्थानीय शासन :
परिचय
स्थानीय सरकार क्यों?
भारत में स्थानीय शासन का विकास
स्वतन्त्र भारत में स्थानीय शासन
संविधान का 73वाँ और 74वाँ संशोधन
त्रि–स्तरीय बनावट
चुनाव
आरक्षण
विषयों का स्थानांतरण
राज्यचुनाव आयुक्त
राज्य वित आयोग
73वे और 74वें संशोधन का क्रियान्वयन

9. संविधान– एक जीवंत दस्तावेज :
क्या संविधान अपरिवर्तनीय होते है?
संविधान में संशोधन कैसे किया जाता है?
विशेष बहुमत
राज्यों द्वारा अनुमोदन
संविधान में इतने संशोधन क्यों किए जाते है?
संशोधन की विषय–वस्तु
व्याख्याएं–विभिन्न दृष्टिकोण
राजनीतिक आम सहमति के माध्यम से संशोधन
विवादास्पद संशोधन
संविधान की मूल संरचना तथा उसका विकास
संविधान एक जीवंत दस्तावेज
न्यायपालिका का योगदान
राजनीतिज्ञों की परिपक्वता

10. संविधान का राजनीतिक दर्शन :

परिचय
संविधान के दर्शन का क्या आशय है?
संविधान–लोकतांत्रिक बदलाव का साधन
संविधान सभा की ओर मुडकर क्यों देखें?
हमारे संविधान का राजनीतिक दर्शन क्या है?
    व्यक्ति की स्वतत्रता
    सामाजिक न्याय
    विविधता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान
    धर्मनिरपेक्षता
    सार्वभौमिक मताधिकार
संघवाद
राष्ट्रीय पहचान
प्रक्रियागत उपलब्धि
आलोचना
यह आरोप कितना सच है?
सीमाएँ